पहिले फगुनवाँ हो

प्रफुल्ल कोलख्यान

पहिले फगुनवाँ हो, पहिले फगुनवाँ
पवनवाँ करे झीका झोरी
ना माने, ना माने करे बरजोरी

ननद चेतावे, देवर लहकावे
ना माने पवनवाँ, करे झीका झोरी
पिया याद सतावे, कैसे कटे फगुनवाँ हो

टवरो रहे डाउन, मुनिया करे टीपाटीपी
ना बोले कागा अँगनवाँ में हो
ना बाजे, बजर मोबाइलवा में टुनटनी

पिया सपनवो सतावे, कैसे कटे फगुनवाँ हो
बहकल बतास आर उमड़ल आकास हो
मन में हलचल, सितायल जोबनवो उदास हो
फगुनवाँ में हो, लगे-लगे अगिन अँचरवा में
दगधल मन, पियासल परान पिया फगुनवाँ में

गड़िया बजावे सीटी, उड़ि जाये नीनिया
चुपा गेलै मोबाइलवा फगुनवाँ में
ननद चेतावे, देवर लहकावे
ना माने पवनवाँ, करे झीका झोरी
पिया याद सतावे, कैसे कटे फगुनवाँ हो

पहिले फगुनवाँ हो, पहिले फगुनवाँ हो